चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21-4-26	3	1-3

महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता एक दूसरे के पूरक: काम्बोज

हकृवि में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कुलसचिव कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विवि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। जबकि जीजेयू से प्रोफेसर विकास वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विचार गोष्ठी के आयोजक एवं कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व अधिष्ठाता डॉ. राजबीर गर्ग भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे।

एचएयू के कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

डॉ. अंबेडकर का दृष्टिकोण न्यायपूर्ण और दूरदर्शी था

मुख्य वक्ता प्रो. विकास वर्मा ने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी समाज में वास्तविक समानता स्थापित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विवाह और तलाक में समान अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक प्रयास किया गया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। वे सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने जाति प्रथा, छुआछूत तथा हर प्रकार के भेदभाव का सशक्त विरोध किया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान के प्रबल समर्थक थे। मंच संचालन व धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. सतपाल ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में छात्र अमिश ने बाबा भीमराव अंबेडकर के जीवन पर आधारित कविता प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	21-4-25	4	2-3

महान समाज सुधारक थे डा. भीमराव आंबेडकर : काम्बोज

विचार गोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज काम्बोज • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डा. भीमराव रामजी आंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में कुलसचिव कार्यालय की ओर से महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसताः डा. आंबेडकर का दृष्टिकोण विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रो. विकास वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विचार गोष्ठी के आयोजक एवं कुलसचिव डा. पवन कुमार व उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजबीर गर्ग भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि डा. आंबेडकर केवल भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने सामाजिक समानता और न्याय की स्थापना हेतु अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों से डा. आंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपने और समाज में न्याय एवं समरसता को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।

मुख्य वक्ता प्रो. विकास वर्मा ने बताया कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी समाज में वास्तविक समानता स्थापित हो सकेगी। मंच का संचालन व धन्यवाद प्रस्ताव डा. सतपाल ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में छात्र अमिश ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के जीवन पर आधारित एक कविता प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	21-4-26	4	5-6

महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता एक दूसरे के पूरक: प्रो. काम्बोज

विचार गोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार, 20 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के 135 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कुलसचिव कार्यालय द्वारा 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता: डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि गुजवि से प्रोफेसर विकास वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विचार गोष्ठी के आयोजक एवं कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर गर्ग भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने सामाजिक समानता और न्याय की स्थापना हेतु अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील, न्यायपूर्ण और दूरदर्शी था। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों के साथ-साथ महिलाओं के उत्थान के लिए भी ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का वास्तविक मापदंड उस समाज में महिलाओं की स्थिति होती है।

महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में डॉ. आंबेडकर ने शिक्षा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों को अत्यंत आवश्यक बताया। मंच का संचालन व धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. सतपाल ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में छात्र अमिश ने बाबा साहेब भीमराव आबेंडकर के जीवन पर आधारित एक कविता प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	21-4-26	12	2-4

एचएयू में बाबा साहेब के जन्मोत्सव पर वीसी ने किया संबोधित

सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण एक दूसरे के पूरक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कुलसचिव कार्यालय द्वारा 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसताः डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रोफेसर विकास वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विचार गोष्ठी के आयोजक एवं कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर गर्ग भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने सामाजिक समानता और न्याय की स्थापना के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। डॉ. अंबेडकर का दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील, न्यायपूर्ण और दूरदर्शी था। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों के साथ-साथ महिलाओं के उत्थान के लिए भी ऐतिहासिक कार्य किए।

हिसार। विचार गोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज।

सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे बाबा साहेब

मुख्य वक्ता प्रो. विकास वर्मा ने महिलाओं की शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण साधन बताते हुए कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी समाज में वास्तविक समानता स्थापित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने जाति-प्रथा, छुआछूत तथा हर प्रकार के भेदभाव का सशक्त विरोध किया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने गोष्ठी में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान के प्रबल समर्थक थे। मंच का संचालन व धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. सतपाल ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में छात्र अमिश ने बाबा साहेब भीमराव आबेंडकर के जीवन पर आधारित एक कविता प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21-4-26	9	1-5

डॉ. आंबेडकर के विचारों में सशक्त नारी का सपना

एचएयू में आयोजित विचार गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोले प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों में ही नारी सशक्तीकरण की नींव निहित है। उन्होंने न केवल वंचित वर्ग बल्कि महिलाओं के उत्थान के लिए शिक्षा, आत्मनिर्भरता और वैधानिक अधिकारों को अनिवार्य बताया। बाबा साहेब का संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' आज भी प्रासंगिक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कही।

वे कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कुलसचिव कार्यालय की ओर से सोमवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव राम आंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता: डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

एचएयू में विचार गोष्ठी को संबोधित करते कुलपति प्रो. कांबोज। स्रोत : संस्थान

कुलपति ने कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर महान समाज सुधारक भी थ। उन्होंने सामाजिक समानता और न्याय की स्थापना के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील, न्यायपूर्ण और दूरदर्शी था।

मुख्य वक्ता प्रो. विकास वर्मा ने महिलाओं की शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण साधन बताते हुए कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी समाज में वास्तविक समानता स्थापित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विवाह और तलाक में समान अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक प्रयास किया गया जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान के प्रबल समर्थक थे।

उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मंच का संचालन व धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. सतपाल ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में छात्र अमिश ने आंबेडकर के जीवन पर आधारित कविता प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21-4-26	9	3-6

महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता एक दूसरे के पूरक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 20 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कुलसचिव कार्यालय द्वारा 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता: डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रोफेसर विकास वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विचार गोष्ठी के आयोजक एवं कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर गर्ग भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने सामाजिक समानता

विचार गोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

और न्याय की स्थापना हेतु अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील, न्यायपूर्ण और दूरदर्शी था। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों के साथ-साथ महिलाओं के उत्थान के लिए भी ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का वास्तविक मापदंड उस समाज में महिलाओं की स्थिति होती है। महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में डॉ. आंबेडकर ने शिक्षा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों को अत्यंत आवश्यक बताया। उनका प्रसिद्ध संदेश: 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' आज भी उतना ही प्रासंगिक है। कुलपति ने कहा की महिलाओं का सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता एक दूसरे के पूरक हैं। आज के आधुनिक भारत में भी डॉ. आंबेडकर के विचार हमें एक समानता और न्याय पूर्ण समाज के निर्माण की दिशा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों से डॉ आंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपने और समाज में न्याय एवं समरसता को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। हमारे देश में महापुरुषों की जयंती इसलिए मनाई जाती हैं ताकि उनके आदर्शों एवं शिक्षाओं से युवा पीढ़ी को प्रेरित किया जा सके। हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और संस्कार विश्व में सर्वोपरि हैं। मुख्य वक्ता प्रो. विकास वर्मा ने महिलाओं की शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण साधन बताते हुए कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी समाज में वास्तविक समानता स्थापित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विवाह और तलाक में समान अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक प्रयास किया गया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। वे सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने जाति-प्रथा, छुआछूत तथा हर प्रकार के भेदभाव का सशक्त विरोध किया। उनका सपना एक ऐसे समाज का था, जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी, विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के पदाधिकारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला सामाजिक समरसता मंच के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	20.04.2026	--	--

महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता एक दूसरे के पूरक- प्रो. काम्बोज

» हकृवि में डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित

दक्ष दर्पण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कुलसचिव कार्यालय द्वारा 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समरसता: डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रोफेसर विकास वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विचार गोष्ठी के आयोजक एवं कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर गर्ग भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने सामाजिक समानता और न्याय की स्थापना हेतु अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। डॉ. आंबेडकर का दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील, न्यायपूर्ण और दूरदर्शी था। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों के साथ-साथ महिलाओं के उत्थान के लिए भी ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का वास्तविक मापदंड उस समाज में महिलाओं की स्थिति होती है। महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में डॉ. आंबेडकर ने शिक्षा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों को अत्यंत आवश्यक बताया। उनका प्रसिद्ध संदेश: 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' आज भी उतना ही प्रासंगिक है। कुलपति ने कहा की महिलाओं का सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता एक दूसरे के पूरक हैं। आज के आधुनिक भारत में भी डॉ. आंबेडकर के विचार हमें एक समानता और न्याय पूर्ण समाज के निर्माण की दिशा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों से डॉ आंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपने और समाज में न्याय एवं समरसता को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। हमारे देश में महापुरुषों की जयंती इसलिए मनाई जाती हैं ताकि उनके आदर्शों एवं शिक्षाओं से युवा पीढ़ी को प्रेरित किया जा सके। हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और संस्कार विश्व में सर्वोपरि हैं।

डॉ आंबेडकर का दृष्टिकोण न्यायपूर्ण और दूरदर्शी था - मुख्य वक्ता

-मुख्य वक्ता प्रो. विकास वर्मा ने महिलाओं की शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण साधन बताते हुए कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी समाज में वास्तविक समानता स्थापित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विवाह और तलाक में समान अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक प्रयास किया गया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। वे सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने जाति-प्रथा, छुआछूत तथा हर प्रकार के भेदभाव का सशक्त विरोध किया। उनका सपना एक ऐसे समाज का था, जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने गोष्ठी में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में भेदभाव और असमानता बनी रहेगी, तब तक सच्ची सामाजिक समरसता संभव नहीं। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान का निर्माण करके पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने का काम किया है। मंच का संचालन व धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. सतपाल ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में छात्र अमिश ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के जीवन पर आधारित एक कविता प्रस्तुत की। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी, विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के पदाधिकारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला सामाजिक समरसता मंच के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।